


31/05/2023

आज यह प्रणाली मूलदावा प्रणाली के साथ
 वाद विद्रोह (वारीज) क्रिये जाने के कारण की शिकायत
 पर पेशा होकर वाद विधि पत्र सुनवाई
 स्वीकार होने पर पेशा हुई। मूलदावा प्रणाली
 आज विद्रोह (वारीज) की जा चुकी है ऐसी
 स्थिति में इन प्रणाली का कोई अस्तित्व
 नहीं रह गया है अतः अस्तित्व का प्रश्न ही नहीं
 उत्पन्न होकर यह प्रणाली भी वारीज की
 जाती है एवं पूर्व के जारी अन्तरिम स्थगन आदेश
 निरस्त क्रिये जाते हैं प्रणाली के लय हुआ हो (अथवा
 से कगह) कादत कमील से जगू मूलदावा रहीं

सुनाया गया


 उपखण्डाधिकारी
 मुंबावर (अलावर) राज०

